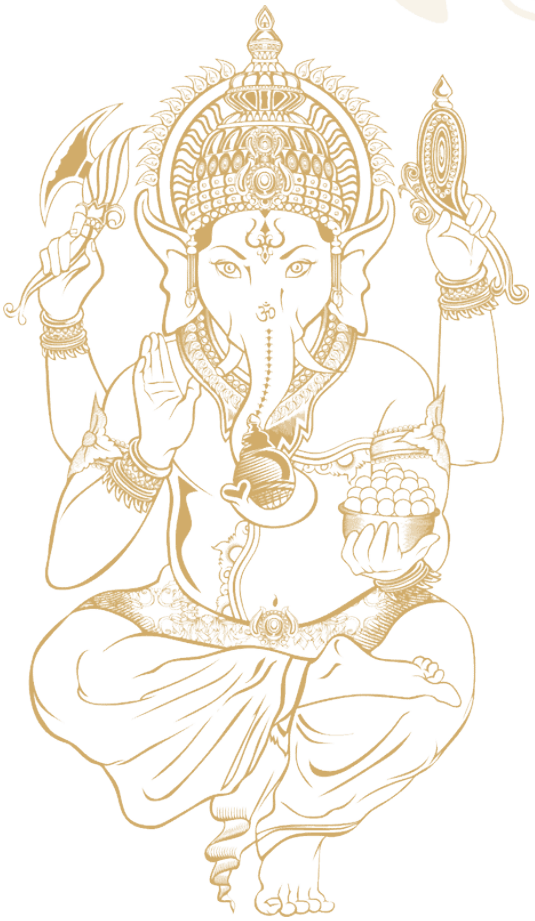

Mr.

25 Mar 2026

04:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121710102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/03/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:45:00 घंटे**
इष्ट	26:03:01 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:00 घंटे
साम्पातिक काल	04:35:35 घंटे
सूर्योदय	06:19:47 घंटे
सूर्यास्त	18:34:59 घंटे
दिनमान	12:15:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:35:32 मीन
लग्न के अंश	17:13:57 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:13:57	315:35:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	10:35:32	00:59:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	06:11:29	14:09:34	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	23:46:33	00:47:05	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कुंभ	15:16:06	00:24:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:11:34	00:02:45	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	29:21:43	01:14:07	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:30:29	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:29:03	00:00:34	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:29:03	00:00:34	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:15:51	00:02:22	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:43:56	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:52:35	00:01:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	16:16:45	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

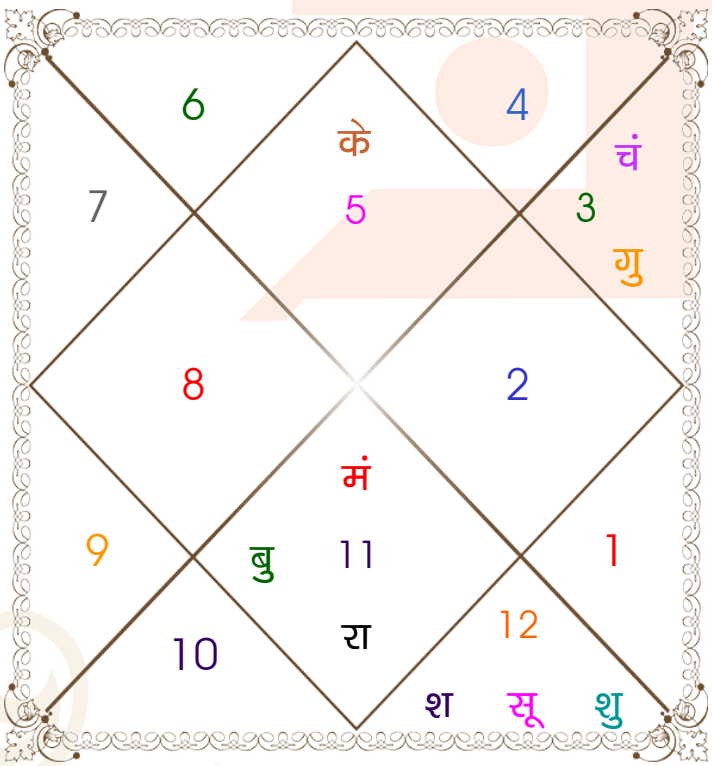

चन्द्र कुंडली

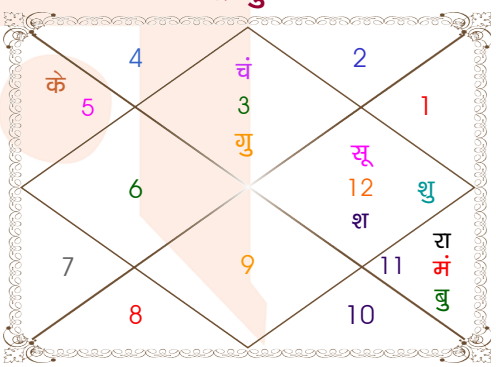

नवमांश कुंडली

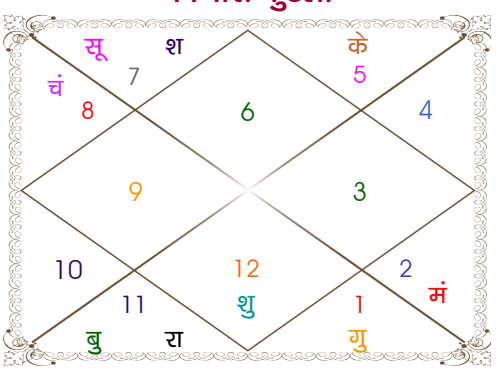

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 2 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/03/2026		24/06/2026		24/06/2044		24/06/2060		25/06/2079	
24/06/2026		24/06/2044		24/06/2060		25/06/2079		24/06/2096	
	00/00/0000	राहु	07/03/2029	गुरु	12/08/2046	शनि	28/06/2063	बुध	20/11/2081
	00/00/0000	गुरु	31/07/2031	शनि	22/02/2049	बुध	07/03/2066	केतु	17/11/2082
	00/00/0000	शनि	06/06/2034	बुध	31/05/2051	केतु	16/04/2067	शुक्र	17/09/2085
	00/00/0000	बुध	23/12/2036	केतु	06/05/2052	शुक्र	15/06/2070	सूर्य	25/07/2086
	00/00/0000	केतु	11/01/2038	शुक्र	05/01/2055	सूर्य	28/05/2071	चंद्र	24/12/2087
	00/00/0000	शुक्र	11/01/2041	सूर्य	24/10/2055	चंद्र	27/12/2072	मंगल	20/12/2088
	00/00/0000	सूर्य	05/12/2041	चंद्र	22/02/2057	मंगल	04/02/2074	राहु	10/07/2091
	25/03/2026	चंद्र	06/06/2043	मंगल	29/01/2058	राहु	11/12/2076	गुरु	15/10/2093
चंद्र	24/06/2026	मंगल	24/06/2044	राहु	24/06/2060	गुरु	25/06/2079	शनि	24/06/2096

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/06/2096		26/06/2103		26/06/2123		25/06/2129		26/06/2139	
26/06/2103		26/06/2123		25/06/2129		26/06/2139		26/03/2146	
केतु	20/11/2096	शुक्र	25/10/2106	सूर्य	13/10/2123	चंद्र	25/04/2130	मंगल	22/11/2139
शुक्र	20/01/2098	सूर्य	25/10/2107	चंद्र	13/04/2124	मंगल	25/11/2130	राहु	09/12/2140
सूर्य	28/05/2098	चंद्र	25/06/2109	मंगल	19/08/2124	राहु	25/05/2132	गुरु	15/11/2141
चंद्र	27/12/2098	मंगल	25/08/2110	राहु	13/07/2125	गुरु	24/09/2133	शनि	25/12/2142
मंगल	25/05/2099	राहु	25/08/2113	गुरु	02/05/2126	शनि	26/04/2135	बुध	22/12/2143
राहु	13/06/2100	गुरु	25/04/2116	शनि	14/04/2127	बुध	24/09/2136	केतु	19/05/2144
गुरु	20/05/2101	शनि	26/06/2119	बुध	18/02/2128	केतु	25/04/2137	शुक्र	19/07/2145
शनि	28/06/2102	बुध	25/04/2122	केतु	25/06/2128	शुक्र	25/12/2138	सूर्य	24/11/2145
बुध	26/06/2103	केतु	26/06/2123	शुक्र	25/06/2129	सूर्य	26/06/2139	चंद्र	26/03/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 3 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।